

NBT नवभारत टाइम्स

अंतरराष्ट्रीय संकेतों से उलट बाजार का रुख, सेंसेक्स 12,000 से नीचे

हॉलीवूड
मुंबई

विदेशी बाजारों के संकेतों के विपरीत जाते हुए शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट का दौर देखा गया। चुनाव परिणाम से पहले कारोबारियों द्वारा मुनाफा वसूली की वजह से बाजारों में गिरावट आई।

अमेरिकी बैंकों के स्ट्रेस टेस्ट का परिणाम कोई चौंकाने वाला न रहने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार हरे निशान में ही रहे, लेकिन भारतीय बाजारों में कारोबारियों ने इन संकेतों को अनदेखी कर दी। बीएसई सेंसेक्स 12 हजार के महत्वपूर्ण स्तर से



नीचे चला गया और 240.51 अंक गिरकर 11,876.46 पर बंद हुआ। इसी प्रकार निफ्टी भी 63.20 अंक गिरकर 3,620.70 पर बंद हुआ। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की तरह ही भारतीय बाजारों की शुरुआत सपाट रही और शुरुआत में बाजार सीमित दायरे में रहे। लेकिन बाद में अन्य एशियाई

बाजारों में सुधार और यूरोपीय बाजारों में बढ़त को नजरअंदाज कर दिया गया क्योंकि अतिशय खरीदारी वाले बाजार में निवेशक मुनाफा काटने के लिए अड़ चुके थे। सभी सेक्टर के सूचकांक लाल निशान में रहे और बैंक, मेटल एवं आईटी सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

कोटक सिक्स्योरिटीज के श्रीकांत चौहान ने बताया, 'चुनाव परिणामों से पहले मंदी के सेंटोमेंट की वजह से ही शायद ट्रेडर्स ने मुनाफा काटने में ही भलाई समझी। बहुत से कारोबारों को करेक्शन का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि मौजूदा स्तरों पर जोखिम-रिटर्न अनुपात उपयुक्त नहीं था।'